रात्रि क्लास 25/11/68 ओ.शान्ति शिव बाबा याद है?

सबसे बड़ी बारात गाई गई है शिव की। शंकर की नहीं। शिव की? जैसे शिव अशरीरी है वैसे आत्मा भी अशरीरी है। शिव बाबा की रूहानी बारात एक ही होती है। तुम हो सजनियां वह है साजन। सभी से सुख देने वाला वह एक है। सतयुग में बारातें भी सुख देने वाली होती हैं। बाप घर में साथ ले जाते हैं फिर वहां (सुखधाम) में साथ नहीं ले जाते। बच्चे जानते हैं साजन अथवा बाबा आया हुआ है सभी बच्चों को शान्तिधाम ले जावेंगे। सभी शान्ति के शौकिन हैं। सुखधाम की राय देने वाला कोई है नहीं। सिवाय बाप के। शान्ति के लिये राय देते हैं परन्तु ले नहीं जाते। ऐसे2 जब आते हैं तो हाथ में कुछ न कुछ देना चाहिए। शिव बाबा के तो जो भी सभी बच्चे हैं बारात है। कितनी बारात होगी? 500 करोड़। बारात कहें वा फ्लोअर्स कहें। इतनी बड़ी बारात किसकी होती नहीं। तुम सभी शिव के पीछे जावेंगे ना। साजन ले जाते हैं शान्तिधाम और सुखधाम। यह भी अगर सारे दिन में घंटा दो याद रहे तो यह भी बड़ी कमाई है। याद भी करना है तब ऊंच पद मिलेगा। बाप को याद करते से ही तुम सारे झाड़ के आदि मध्य अन्त को याद करते हो। बच्चे भी मास्टर बीज रूप ठहरे। तुम्हारी भी बुधि में यह आना चाहिए। बाप को नित्य याद है। भाईयों की नित्य याद नहीं होती है। भूल जाते हैं। यह याद रहे तो खुशी भी रहे। परन्तु माया खुशी में आने नहीं देती है। कोई न कोई किचड़पट्टी में ले जाती है। बाप बहुत ऊंच ते ऊंच है। उनको भूलने से आत्मा किचड़पट्टी में चली जाती है। तुम बच्चे थोड़ा समय बाप को याद करते हो। बाकी सारा समय किचड़ पट्टी में रहते हो। दुनिया में एक भी मनुष्य नहीं जो भगवान के डिफिनेशन को जानता हो। तुम जानते हो परन्तु याद नहीं कर सकते हो।

पटना का समाचार अच्छा लिखा है। ऐसे मकान मिलते हैं तो फटाफट उसी समय जमा देना चाहिए। क्या किया उसकी पूरी रिजल्ट नहीं लिखी है। अधूरा समाचार इसको कहा जाता है। चित्र ले गये वा नहीं पूरा दिल पसन्द समाचार न लिखा है। समझते हैं सर्विस अच्छी की परन्तु समाचार ऐसे देते हैं जो बाप कहते हैं जो सर्विस होनी चाहिए वह नहीं हुई। सर्विस बुधि को पाते हैं तो बच्चों का हुल्लास भी बढ़ता है। अभी सर्विस ठंढी है। तो बच्चों का भी हौसला भी... और बाकी भी विनाश नजदीक होगा तो और ही हौसला बढ़ जावेगा। यह तो बच्चे समझते हैं हम अपने सतोप्रधान दुनिया के नजदीक आते जाते हैं। फिर जाकर पहुंचेंगे। कितना ऊपर से नीचे आकर पहुंचे हैं। कितना बड़ा धक्का लगा है। हड्डी2 चूर हो गई है सारी भारत की। बाप आते हैं फिर हर बात में तन्दुरुस्त कर देते हैं। तो खुशी होनी चाहिए। और खुशी से ही रास्ता बताना चाहिए। कितना अपार सुख तुम अकेले भारतवासी देवताएं देखते हो। और कोई के तकदीर में नहीं हैं। आगे चलकर चक्कर में आवेंगे। क्यों तुम्हारा ही सिर्फ स्वर्ग में पार्ट है। हमारा पार्ट नहीं है? तुम समझावेंगे यह अनादि बना बनाया ड्रामा है। तो कहेंगे अच्छा स्वर्ग में नहीं तो शान्तिधाम में ही जाना अच्छा। बाकी मंजिल है बहुत भारी। युध के मैदान में आधा2 जीत होती है माया की। हार जीत का खेल है ना। जितना वह शक्तिवान उतना यह। तुम जितना जीतते होंगे उतना हराते भी होंगे। बाप सर्वशक्तिवान है तो माया भी सर्वशक्तिवान है। बहुतों को माया गिराती है। तो हड्डी गुड्डी ही चूर कर देती है। स्वर्ग तक पहुंच नहीं सकते। बना बनाया ड्रामा है। भगवान को भी पतित दुनिया में आना ही है। तुम्हारी बुधि अभी बेहद में चली गई है। सेकण्ड व सेकण्ड एक्ट रिपीट होती रहती है। शुट भी होता रहता है। इसलिये इनको एवर न्यू कहा जाता है। कब घिसता नहीं। आत्मा भी देखो कैसा रिगार्ड है। सदैव अपना पार्ट रिपीट करती रहती है। इनको भी कुदरत अथवा कुदरत कहेंगे ना। तुमको सभी साक्षी होते रहो। वहां सोने की ईंटें, महल कैसे बनते हैं। महल कैसे बनते हैं। सभी देखेंगे जो पहाड़ी में रहेंगे। पिछाड़ी में रहना कोई मामूली का घर नहीं। क्या2 तुम देखेंगे जब तक पूछो। टीचर तो सभी के चलन को जानते हैं। यह भी जानते हैं कौन क्या पद पावेंगे। हरेक की चलन को जानते हैं तब तो सावधान करते हैं। गफ्लत छोड़ो नहीं तो पिछाड़ी में बहुत हाहाय करेंगे। बहुतों को पता नहीं पड़ता कि शिव बाबा हमारे चलन को भी देखते हैं। ऐसे भी समझते हैं इसमें कोशिश कौन करती है। शिव बाबा थोड़े ही है। ओ.।